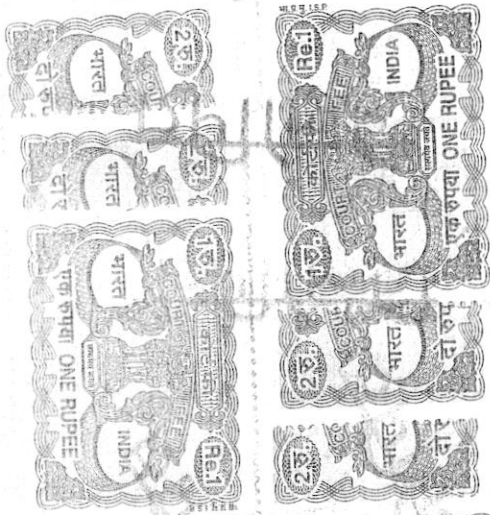


## न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल ग्वालियर (म.प्र.)



III/निगरानी/सतना/श्रु.क्र/2017/3872

रामाधार सिंह उम्र 57 वर्ष तनय गंगाप्रसाद सिंह सा. गुडुवा तह. उचेहरा जिला सतना (म.प्र.)

..... निगरानीकर्ता

बनाम

चन्द्रशेखर सिंह उम्र 53 वर्ष तनय श्री बाबूलाल सिंह सा. गुडुवा हाल मुकाम भरहुत तह. उचेहरा जिला सतना (म.प्र.)

....गैर निगरानीकर्ता

विपिन कुमार शर्मा

13-10-17 को

निगरानी विरुद्ध आदेश अनुविभागीय अधिकारी उचेहरा के

प्रकरण क्रमंक 21/अपील/16-17 आदेश दिनांक 21.08.2017

13-10-17

निगरानी अंतर्गत धारा 50 म.प्र. भू. राजस्व संहिता

श्री विमाननीय महोदय,


निगरानी के आधार निम्न हैं :-

- 1- यह कि, उपरोक्त उन्मान अपील माननीय अनुविभागीय अधिकारी महोदय उचेहरा के न्यायालय में प्रचलनशील है जिसमें माननीय अनुविभागीय

(Signature)

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ  
भाग-अ

प्रकरण क्रमांक तीन-निगरानी/सतना/भू.रा./2017/3872

थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
27-10-2017	<p>यह निगरानी अनुविभागीय अधिकारी उचेहरा जिला सतना के प्र0क0 21/16-17 अपील में पारित आदेश दि0 21-8-2017 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत हुई है। निगरानी की ग्राह्यता पर आवेदक के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्क सुने जा चुके हैं।</p> <p>2/ आवेदक के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्कों पर विचार करने एवं प्रस्तुत अभिलेख के अवलोकन से परिलक्षित है कि अनावेदक ने अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष धारा 59 , 172 (4) के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत कर मांग रखी थी कि आवेदक द्वारा भूमि का व्यपवर्तन कराये बिना निर्माण कार्य कर मकान बनाया जा रहा है इसलिये रोक लगाई जावे। अनुविभागीय अधिकारी उचेहरा ने इस आवेदन के प्राप्त होने पर अंतरिम आदेश दिनांक 21-8-17 से निम्नानुसार निर्णय लिया है :-</p> <p>“ धारा 59 व 172 का आवेदन अपीलांट द्वारा पेश । रा0नि0 से रिपोर्ट बुलावे व जवाब हेतु। 12-9-17 ”</p> <p>आवेदक के अभिभाषक का तर्क है कि तहसीलदार उचेहरा के न्यायालय में बेदखली का आवेदन खारिज हुआ है एवं व्यवहार न्यायाधीश उचेहरा के ने भी कोई अतिक्रमण न होने वावत् आदेश पारित किया है परन्तु अनुविभागीय अधिकारी द्वारा गैरनिगरानीकर्ता के अभिभाषक के दवाव में आकर विधि विरुद्ध कार्यवाही करके निगरानीकर्ता को परेशान किया जा रहा है जिस पर रोक लगाई जाय। अनुविभागीय अधिकारी के अंतरिम आदेश दिनांक 21-8-17 के अनुसार धारा 59 व 172 के आवेदन पर रा0नि0 से मौके की रिपोर्ट बुलाने व जवाब हेतु 12-9-17 नियत करने का निर्णय है स्पष्ट है कि जब मौके की स्थिति क्या है ? जानकारी उपलब्ध होगी तभी धारा 59 सहपठित 172 के आवेदन पर दोनों पक्षों को सुना जाकर निर्णय लिया जा सकेगा। अनुविभागीय अधिकारी के आदेश में किसी प्रकार की विसंगति नहीं होने से निगरानी सारहीन है एवं इसी-स्तर पर निरस्त की जाती है।</p>	<p style="text-align: right;"> अदस्य</p>